मंत्री ने पिपराघाट में कटाव निरोधक कार्य और स्टील शीट पाइलिंग का किया लोकार्पण

झंझारपुर शहर को कमला नदी की बाढ़ से पूर्ण सुरक्षा मिलेगी: संजय झा

आयोजन

- **मंत्री ने पुरानी रेल पुल और नदी के तल से गाद सफाई का मौके पर जाकर किया निरीक्षण**

प्रतिनिधि, मधुबनी/ झंझारपुर

जल संसाधन तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री संजय कुमार झा ने शनिवार को मधुबनी जिले में कमला बलान और भूतही बलान नदी की बाढ़ से सुरक्षा के लिए विभाग द्वारा कराये गये कई कार्यों का लोकार्पण, कार्यारंभ व निरीक्षण किया. जल संसाधन मंत्री ने पिपराघाट (झंझारपुर) में कटाव निरोधक और स्टील शीट पाईलिंग कार्य का लोकार्पण किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 के बाढ़ सीजन में कमला बलान नदी में अधिक जल प्रवाह से झंझारपुर के निकट कमला बलान बायां तटबंध के किमी 49.50 (पिपराघाट) में अत्यधिक दबाव उत्पन्न हो गया था. इससे तटबंध को सुरक्षा प्रभावित होने की आशंका बन गई थी, जिसे विभागीय अभियंताओं ने काफी मशक्कत कर सुरक्षित कर लिया था.

झंझारपुर में जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा व अन्य

इस तटबंध की दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए जल संसाधन विभाग ने तकनीकी विशेषज्ञों की राय लेकर योजना बनाई और 716.74 लाख रुपये की लागत से नवलन ब्रेट, जियोबैग, पैचिंग के अतिरिक्त स्टील शीट पाईल जैसी आधुनिक तकनीक का उपयोग कर स्थल को पूर्ण सुरक्षित कर लिया गया है.

इस योजना के क्रियान्वयन से झंझारपुर शहर और आसपास की बड़ी आबादी को बाढ़ से सुरक्षा मिलेगी. इसके साथ ही जल संसाधन विभाग द्वारा कमला बलान नदी के निम्न प्रवाह मार्ग के अवरोध को दूर कर तटबंध पर दबाव कम करने के उद्देश्य से झंझारपुर के पुराने रेल पुल के भेंट की सफाई और उसके अपस्ट्रीम एवं डाउनस्ट्रीम में नदी में जमे गाद की सफाई करायी गयी है. जल संसाधन मंत्री ने इस कार्य का पुराने रेल पुल के पास जाकर स्थल निरीक्षण किया. मौके पर से ही इस पुल को ऊपर उठाने के लिए संबंधित विभागों के वरीय अधिकारियों से बात की. पुल को ऊपर उठाये जाने से कमला नदी के प्रवाह मार्ग का अवरोध समाप्त हो जायेगा और गाद की समस्या से मुक्ति मिलने से बाढ़ का प्रकोप कम होगा. बता दें कि कमला बलान नदी के बायां एवं दायां तटबंध पर पिपराघाट पुल (बाबूबरही) से तेंगहा पुल तक पूर्व में ही उच्चीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं पक्कीकरण का कार्य कराया जा रहा है, जो प्रगति पर है इससे कमला बलान नदी की बाढ़ से प्रभावित होने वाले बड़े इलाके को न केवल बाढ़ से सुरक्षा मिलेगी, बल्कि यातायात का वैकल्पिक मार्ग मिलने से इलाके का तेज गति से विकास भी हो सकेगा. मौके पर कई लोग शामिल थे.